लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *156

13 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र और परिधान क्षेत्र

***156. श्री संजय जाधव:**
श्री विनायक भाऊराव राऊत:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वस्त्र और परिधान क्षेत्र कठिन समय से गुजर रहा है और बुरी तरह प्रभावित हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) महाराष्ट्र में वस्त्र व्यापारियों और मिलों की स्थिति क्या है;

(घ) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान वस्त्र और परिधान क्षेत्र में खंड कार्य निष्पादन का खंड-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ड़) क्या कोविड-19 महामारी के कारण गारमेंट और वस्त्रों का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ था;

(च) यदि हां, तो इस स्थिति से निपटने और देश में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(छ) क्या हस्तनिर्मित कालीनों, चादरों और अन्य हस्तशिल्प वस्तुओं सहित हस्तशिल्प उत्पादों के निर्यात में पिछले तीन वर्षों की तुलना में ऋणात्मक वृद्धि हुई है; और

(ज) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ज): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"वस्त्र और परिधान क्षेत्र" के संबंध में श्री संजय जाधव एवं श्री विनायक भाऊराव राऊत द्वारा पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *156 के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) से (ज) : वर्ष 2020-21 के दौरान, कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन, वस्तुओं एवं सेवाओं आदि की आवाजाही में बाधा आदि के कारण वस्त्र क्षेत्र सहित सभी क्षेत्र प्रभावित हुए थे और वैश्विक मांग में कमी आई थी। तथापि, वर्ष 2020-21 के दौरान मांग में वृद्धि हुई थी और देश के निर्यात में वर्ष 2020-21 की तुलना में वस्त्र उत्पादों में वर्ष-दर-वर्ष 41% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2022-23 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मांग सामान्य हो गई और कपास की कीमतें सामान्य कीमतों से अधिक चल रही थी जिससे देश के निर्यात में मामूली सुधार हुआ है।

वर्ष 2023-24 में, वस्त्र और अपैरल (हस्तशिल्प सहित) के निर्यात में अप्रैल से जुलाई 2022 की तुलना में अप्रैल से जुलाई 2023 के दौरान कमी की प्रवृत्ति देखी गई थी, जिसका मुख्य कारण वैश्विक मांग पर जियो-पॉलिटिक्ल स्थिति का प्रभाव था। तथापि, अगस्त, 2023 के बाद से इसमें सुधार हुआ है। पिछले वर्ष की समान अवधि के संबंध में अगस्त, सितंबर और अक्टूबर 2023 में टीएंडए (हस्तशिल्प सहित) के निर्यात में माहवार वृद्धि क्रमशः 6%, 3% और 13% है।

पिछले पांच वर्षों के वस्त्र उत्पादों के निर्यात का क्षेत्रवार विवरण निम्नानुसार है:

(अमेरिकी मिलियन डॉलर में)

मदें	वि.व. 2018-19	वि.व. 2019-20	वि.व. 2020-21	वि.व. 2021-22	वि.व. 2022-23
रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी)	16,138	15,488	12,272	16,015	16,191
कॉटन वस्त्र	12,405	10,263	11,128	17,166	11,085
मानव निर्मित वस्त्र	5,551	5,324	4,180	6,294	5,412
ऊन एवं ऊनी वस्त्र	222	181	109	166	205
रेशम उत्पाद	76	72	76	109	95
हथकरघा उत्पाद	344	319	223	269	183
कालीन	1,482	1,373	1,491	1,790	1,366
पटसन उत्पाद	340	357	397	537	462
कुल वस्त्र एवं अपैरल (टीएंडए)	**36,559**	**33,379**	**29,877**	**42,347**	**34,997**
हस्तशिल्प	**1,838**	**1,798**	**1,708**	**2,088**	**1,689**
हस्तशिल्प सहित कुल टीएंडए	**38,397**	**35,177**	**31,585**	**44,435**	**36,686**

स्रोत: डीजीसीआईएस अनंतिम डेटा, आंकड़े पूर्णांकित हैं

वस्त्र उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, सरकार अपैरल/गारमेंट्स और मेड-अप्स के निर्यात पर राज्य और केंद्रीय करों और लेवी (आरओएससीटीएल) में छूट की योजना क्रियान्वित कर रही है। इसके अलावा, आरओएससीटीएल के तहत शामिल नहीं होने वाले वस्त्र उत्पादों को अन्य उत्पादों के साथ-साथ निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) के तहत शामिल किया जाता है। सरकार वस्त्र और वस्त्र निर्यात को बढ़ावा देने में लगे विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों और व्यापार निकायों को व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों आदि के आयोजन और भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। मंत्रालय वस्त्र और फैशन उद्योग में नवीनतम प्रगति/नवाचारों/प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय वस्त्र मूल्य श्रृंखला की मजबूती का प्रदर्शन करने हेतु और वस्त्र क्षेत्र में सोर्सिंग और निवेश के लिए भारत को सबसे पसंदीदा स्थान के रूप में स्थापित करने के लिए फरवरी, 2024 में एक मेगा वस्त्र कार्यक्रम अर्थात भारत टेक्स, 2024 के आयोजन में निर्यात संवर्धन परिषदों/एसोसिएशन की सहायता भी कर रहा है।

इसके अलावा, सरकार वस्त्र क्षेत्र को सहायता प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र राज्य सहित अखिल भारतीय आधार पर विभिन्न योजनाएं जैसे वस्त्र हेतु उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र), सिल्क समग्र, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम, एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम (आईडब्ल्यूडीपी), राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम), एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (एसआईटीपी) आदि क्रियान्वित कर रही है।

भारत सरकार ने महाराष्ट्र के अमरावती सहित 7 राज्यों में पीएम मित्र पार्क स्थापित करने को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, महाराष्ट्र के लिए एकीकृत वस्त्र पार्क (एसआईटीपी) योजना के तहत 12 वस्त्र पार्कों को मंजूरी दी गई थी, जिनमें से 8 पार्कों का कार्य पूर्ण हो चुका है और 4 पार्कों में क्रियान्वयन किया जा रहा है।

वर्ष 2020-21 के दौरान कालीन सहित हस्तशिल्प का निर्यात 3199 मिलियन अमेरिकी डॉलर था जो वर्ष 2021-22 के दौरान बढ़कर 3878 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, वर्ष 2022-23 के दौरान यह घटकर 3055 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। सरकार निर्यात निष्पादन की लगातार निगरानी कर रही है और राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत निर्यात संवर्धन के लिए विपणन सहायता प्रदान करने सहित विभिन्न उपाय कर रही है।

***